चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Hindustan Times	**05.08.2020**	**--**	**--**

'EARN MORE BY GROWING BABY CORN, SWEET CORN'

HISAR: Farmers should grow baby corn and sweet corn during the kharif season for better earnings, said Prof Samar Singh, vice-chancellor, Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar. He said that maize includes normal, quality protein baby corn and sweet corn. "Baby corn and sweet corn require less time to grow and provide good quality green fodder. Cultivation of baby corn can provide 6-7 quintal cobs and 80-100 quintal green fodder per acre," he said. **HTC**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	06.08.2020	04	07-08

सूखे क्षेत्र में भी एलोवेरा की खेती कर किसान कर सकते हैं कमाई

ऐलोवेरा को होती है कम पानी की जरूरत

महबूब अली | हिसार

हर्बल, कॉस्मेटिक उत्पाद और दवा कंपनियों की बढ़ती मांग के चलते एलोवेरा की खेती का व्यावसायिक महत्व बहुत अधिक बढ़ गया है। इसी वजह से इसकी खेती किसानों के लिए आमदनी का अच्छा स्त्रोत हो सकती है। खासियत यह है कि सूखे क्षेत्र में भी एलोवेरा की खेती की जा सकती है।

यह सलाह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह और विवि के वैज्ञानिकों ने किसानों को ऐलोवेरा की खेती करने के लिए प्रेरित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि उच्च औषधीय गुण और बढ़ती मांग के कारण विश्वभर में इसे चमत्कारी पौधे के रूप में भी पहचान मिली है, जो मानव के लिए प्रकृति का उपहार है। कुलपति ने बताया कि ऐलोवेरा की खेती में किसान को कम लागत में अधिक मुनाफा मिल सकता है, क्योंकि यह एक सख्त पौधा है, जिसे सुखे क्षेत्र में भी उगाया जा सकता है। इसके लिए कम पानी और कम रखरखाव की आवश्यकता होती है। इसमें विटामिन और खनिजों के साथ एंटीबायोटिक और एंटीफंगल गुण होते हैं। यह पौधा मूल रूप से अफ्रीका महाद्वीप से है।

इसलिए बढ़ी डिमांड

डॉ. राजेश लाठर के अनुसार ऐलोवेरा के अनेकों लाभ हैं, जिसकी वजह से मौजूदा समय में इसकी डिमांड बहुत अधिक बढ़ गई है। यह एंटीबायोटिक, एंटी माइक्रोबियल, एंटी बैक्टीरियल, एंटी सेप्टिक, कीटाणुनाशक, एंटी फंगल व एंटी वायरल है। मूत्र संबंधी समस्याओं, अल्सर और पिंपल्स के उपचार में बहुत लाभदायक है। विटामिन और खनिजों का अच्छा स्रोत है और इसमें अमीनो एसिड और फैटी एसिड की मात्रा अधिक होती है। यह पाचन व डिटॉक्सिफ्रिकेशन प्रोसेस में मदद करता है। प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत करता है तथा कब्ज से राहत दिलाने के अलावा मुंहासे, निशान और जलन को ठीक करने में मदद करता है। तनाव व ब्लड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है और ब्लड शूगर के स्तर को नियंत्रित करता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	06.08.2020	04	01-05

खेतीबाड़ी • राज्य में इस बार 7 लाख हेक्टेयर के आसपास हुई थी कपास की बिजाई, सिरसा, हिसार और फतेहाबाद में सर्वाधिक

कपास की फसल में हरा तेला और थ्रिप्स नामक कीटों का आक्रमण

वैज्ञानिक बोले-ये दोनों रस चूसक कीट, पौधों की वृद्धि को करते हैं प्रभावित

बलजीत कुमार | रेवाड़ी

प्रदेशभर में मौसम बेहतर रहा तो इस बार कपास का रकबा भी बढ़ा है। खेतों में कपास के पौधे लहलहाने लगे हैं, लेकिन अब कपास में हरा तेला और थ्रिप्स नामक कीटों का प्रकोप शुरू हो गया है। रेवाड़ी के कई गांवों में इन कीटों ने कपास पर आक्रमण कर दिया है।

वरिष्ठ कीट वैज्ञानिकों ने भी कपास की फसल को इन कीटों से बचाने के लिए किसानों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए हैं। कीट वैज्ञानिकों का कहना है कि फसल को इन कीटों से बचाकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। बता दें कि इस बार राज्य में 7 लाख हेक्टेयर के आसपास में कपास की बिजाई की गई है। कपास की बिजाई का रकबा सिरसा, हिसार और फतेहाबाद में सर्वाधिक है, जबकि रेवाड़ी में इसका आंकड़ा 18 हजार हेक्टेयर के आसपास रहा है। ये भी है कि कपास की इन तीन जिलों में राज्य की बिजाई किए जाने वाले रकबे में आधे से भी ज्यादा क्षेत्र शामिल होता है।

हरा तेला पत्ते की शक्ति को करता है नष्ट

बावल स्थित क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ कीट वैज्ञानिक डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि हरा तेला नामक कीट हरे रंग का होता है। छोटे-छोटे ये कीट पत्ते के नीचे की तरफ लगता है। यह रस चूसक कीट है, जो पत्ते की शक्ति को नष्ट करने लगता है।

कम बारिश और शुष्क मौसम में फैलते हैं ये कीट : कपास की फसल में इन कीटों का प्रकोप आमतौर पर शुष्क मौसम और कम बारिश के कारण फैलते हैं। रेवाड़ी में कम बारिश हुई तो इन कीटों का ज्यादा असर है।

थ्रिप्स से पत्तों की निचली सतह हो जाती है चमकदार

यह कीट भी छोटा और भूरे रंग का होता है। ये कीट पत्ते की सतह को खुरचते हैं। इनके रस चूसने वाले मुखांग होते हैं। इनके कारण पत्तों की निचली सतह भूरे रंग की और चमकदार हो जाती है। इससे पौधे की वृद्धि प्रभावित होती है। सफेद मक्खी का भी प्रकोप फैलने लगा है। इसके कारण पत्ते काले पड़ जाते हैं। इनका भी इस समय आक्रमण होने लगा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	06.08.2020	04	06-08

इसी माह करें बैंगन की वैज्ञानिक विधि से रोपाई, अक्टूबर में होगी आमदनी शुरू

राकेश कुमार | गढ़ी बीरबल

हरियाणा राज्य में बैंगन की खेती खुले खेतों में एवं संरक्षित खेती के रूप में व्यवसायिक स्तर पर की जाती है। पूर्व अध्यक्ष सब्जी विज्ञान विभाग हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार प्रोफेसर सुरेश कुमार अरोड़ा ने बताया कि खुले खेतों में बैंगन की खेती साल भर में किसी समय भी की जा सकती है और संरक्षित खेती के रूप में इसे जुलाई अगस्त के महीने में लगाया जाना अच्छा रहता है। जिसकी फसल किसानों को मध्य अक्टूबर से आवक शुरू हो जाएगी। आजकल के समय में नेट हाउस (मच्छरदानी), पॉली हाउस एवं प्लास्टिक की सुरंग इत्यादि में की जाती है। बैंगन के अच्छे उत्पादन के लिए बैंगन की पौध को यानी पनीरी को तैयार करना बेहद जरूरी होता है।

नेट हाउस में बैंगन की रोपाई

संरक्षित संयंत्रों में बैंगन की रोपाई ऊपर उठे बैड पर की जाती है। बेड की आपसी दूरी 160 सेंटीमीटर होनी चाहिए। इन बैडों का आधार 1 मीटर ऊंचाई 45 सेंटीमीटर और बेड के माथे की चौड़ाई 60 से 70 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए। एक बेड के ऊपर दो ड्रिप नालिया का होना आवश्यक है। एक बेड के ऊपर बैंगन की दो कतारें प्रयोग में लाई जाती हैं। बैंगन की पौध को आमने सामने ना लगा कर कटवा या सर्पाकार या जिगजैग वे या अल्टरनेट लगाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	06.08.2020	02	01

पोस्टर मेकिंग, प्रश्नोत्तरी, रेसिपी और स्लोगन स्पर्धा आज एचएयू में होगी

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान कॉलेज के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से 6 अगस्त यानि आज विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया जाएगा। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का आयोजन विवि के वीसी प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में किया जाएगा। 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सहयोग से इन प्रतियोगिताओं को गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में होगा। इसके तहत पोस्टर मेंकिग, प्रश्नोत्तरी, रेसिपी बनाना और स्लोगन प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित कराई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	06.08.2020	11	08

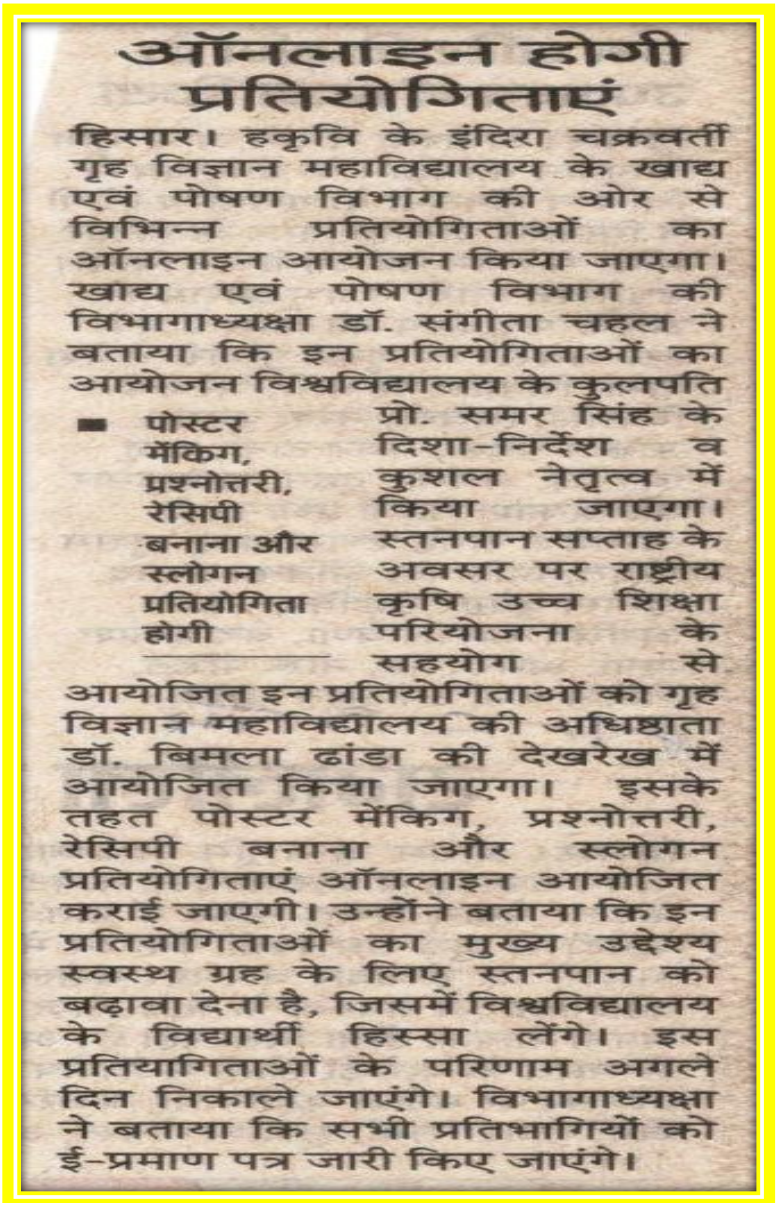

ऑनलाइन होगी प्रतियोगिताएं

हिसार। हकृवि के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया जाएगा। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में किया जाएगा। स्तनपान सप्ताह के अवसर पर राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से आयोजित इन प्रतियोगिताओं को गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। इसके तहत पोस्टर मेंकिग, प्रश्नोत्तरी, रेसिपी बनाना और स्लोगन प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना है, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियागिताओं के परिणाम अगले दिन निकाले जाएंगे। विभागाध्यक्षा ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

- पोस्टर मेंकिग, प्रश्नोत्तरी, रेसिपी बनाना और स्लोगन प्रतियोगिता होगी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	06.08.2020	04	03

बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान पर होगा मंथन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नौ अगस्त को एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर मंथन होगा। यह जानकारी देते हुए वेबिनार के संयोजक एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरएस कंवर ने बताया कि यह वेबिनार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि से इसी विभाग से सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में सेवानिवृत्त प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर डॉ. आरके वालिया होंगे। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। डॉ. आरएस कंवर ने बताया कि इस वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि बीमारी की समस्याएं और उनके समाधान को लेकर कृषि वैज्ञानिक अपने विचार सांझा करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	06.08.2020	04	01-02

एचएयू में स्तनपान सप्ताह के तहत प्रतियोगिताएं आज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता चहल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के निर्देशन व कुशल नेतृत्व में किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	06.08.2020	04	01-03

'बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्या और उनके समाधान पर होगा मंथन'

हिसार, 5 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 9 अगस्त को एक ऑनलाइन वैबिनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर मंथन होगा।

वैबिनार के संयोजक एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि वैबिनार के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि से इसी विभाग से सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में सेवानिवृत्त प्रोजैक्ट कोर्डिनेटर डॉ. आर.के. वालिया होंगे। वैबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि वैबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि बीमारी की समस्याएं और उनके समाधान को लेकर कृषि वैज्ञानिक अपने विचार सांझा करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	05.08.2020	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 9 को होगा ऑनलाइन वेबिनार

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 9 अगस्त को एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर मंथन होगा। यह जानकारी देते हुए वेबिनार के संयोजक एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि यह वेबिनार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि से इसी विभाग से सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में सेवानिवृत्त प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर डॉ. आरके वालिया होंगे। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि इस वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि बीमारी की समस्याएं और उनके समाधान को लेकर कृषि वैज्ञानिक अपने विचार सांझा करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में समय-समय पर किसानों के हितों के लिए इस तरह के आयोजन करते रहते हैं ताकि किसानों को किसी भी फसल संबंधी कोई समस्या न आए और उनका आर्थिक विकास हो। इस वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अनिल कुमार व डॉ. जे.ए. पाटिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	05.08.2020	--	--

हकृवि में स्तनपान सप्ताह के तहत 6 अगस्त को होगी कई प्रतियोगिताएं

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में किया जाएगा। स्तनपान सप्ताह के अवसर पर 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सहयोग से आयोजित इन प्रतियोगिताओं को गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। इसके तहत पोस्टर मेंकिग, प्रश्नोत्तरी, रेसिपी बनाना और स्लोगन प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना है, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियागिताओं के परिणाम अगले दिन निकाले जाएंगे। विभागाध्यक्षा ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	05.08.2020	--	--

बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याओं वैबीनार 9 को

हिसार/05 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 9 अगस्त को एक ऑनलाइन वैबीनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर मंथन होगा। यह जानकारी देते हुए वैबीनार के संयोजक एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरएस कंवर ने बताया कि इस वैबीनार के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इसी विभाग से सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में सेवानिवृत्त प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर डॉ. आरके वालिया होंगे। इस वैबीनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। डॉ. आरएस कंवर ने बताया कि इस वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि बीमारी की समस्याएं और उनके समाधान को लेकर कृषि वैज्ञानिक अपने विचार सांझा करेंगे। इस वैबीनार के आयोजक सचिव डॉ. अनिल कुमार व डॉ. जेए पाटिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	05.08.2020	--	--

हकृवि में ऑनलाईन प्रतियोगिताएं कल

हिसार/05 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से कल विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाईन आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि स्तनपान सप्ताह के अवसर पर 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सहयोग से आयोजित इन प्रतियोगिताओं को गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। इसके तहत पोस्टर मेंकिग, प्रश्नोत्तरी, रेसिपी बनाना और स्लोगन प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित कराई जाएंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	05.08.2020	--	--

बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान पर होगा मंथन

हकृवि में 9 अगस्त को होगा ऑनलाइन वेबिनार

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 9 अगस्त को एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर मंथन होगा। यह जानकारी देते हुए वेबिनार के संयोजक एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि यह वेबिनार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा।

इस वेबिनार के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि से इसी विभाग से सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में सेवानिवृत्त प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर डॉ. आर.के. वालिया होंगे। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि इस वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि बीमारी की समस्याएं और उनके समाधान को लेकर कृषि वैज्ञानिक अपने विचार सांझा करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में समय-समय पर किसानों के हितों के लिए इस तरह के आयोजन करते रहते हैं ताकि किसानों को किसी भी फसल संबंधी कोई समस्या न आए और उनका आर्थिक विकास हो।

इस वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अनिल कुमार व डॉ. जे.ए. पाटिल होंगे।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्तनपान सप्ताह के तहत 6 अगस्त को होंगी कई प्रतियोगिताएं

हिसार (नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता चहल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में किया जाएगा। स्तनपान सप्ताह के अवसर पर 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सहयोग से आयोजित इन प्रतियोगिताओं को गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। इसके तहत पोस्टर मेकिंग, प्रश्नोत्तरी, रेसिपी बनाना और स्लोगन प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ राह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना है, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिताओं के परिणाम अगले दिन निकाले जाएंगे। विभागाध्यक्ष ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	05.08.2020	--	--

बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान पर होगा मंथन

हकृवि में 9 अगस्त को होगा ऑनलाइन वेबिनार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 9 अगस्त को एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर मंथन होगा। यह जानकारी देते हुए वेबिनार के संयोजक एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि यह वेबिनार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि से इसी विभाग से सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में सेवानिवृत्त प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर डॉ. आर.के. वालिया होंगे। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि इस वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि बीमारी की समस्याएं और उनके समाधान को लेकर कृषि वैज्ञानिक अपने विचार सांझा करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में समय-समय पर किसानों के हितों के लिए इस तरह के आयोजन करते रहते हैं ताकि किसानों को किसी भी फसल संबंधी कोई समस्या न आए और उनका आर्थिक विकास हो। इस वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अनिल कुमार व डॉ. जे.ए. पाटिल होंगे।

हकृवि में स्तनपान सप्ताह के तहत कल होंगी कई प्रतियोगिताएं

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में किया जाएगा। स्तनपान सप्ताह के अवसर पर 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सहयोग से आयोजित इन प्रतियोगिताओं को गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। इसके तहत पोस्टर मेंकिंग, प्रश्नोत्तरी, रेसिपी बनाना और स्लोगन प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना है, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियागिताओं के परिणाम अगले दिन निकाले जाएंगे। विभागाध्यक्षा ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	05.08.2020	--	--

बेबीकॉर्न व स्वीटकॉर्न की आधुनिक खेती से विदेशी मुद्रा कमा सकते हैं किसान : प्रो. समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 5 अगस्त : प्रदेश में भूमिगत जलस्तर निरंतर नीचे जा रहा है। इसका मुख्य कारण गेहूं-धान फसल चक्र है, जिससे भूमिगत जल का अत्याधिक दोहन हुआ है, जो भविष्य में गहरे संकट की ओर इशारा है। इसके समाधान के लिए फसल चक्र में बदलाव आवश्यक है। उपरोक्त समस्या के मद्देनजर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को सलाह दी कि मक्का इस फसल चक्र में विशेष योगदान दे सकता है। उन्होंने बताया कि मक्का कई प्रकार का होता है, जिसमें साधारण मक्का, उच्च गुणवत्ता मक्का और बेबीकार्न व स्वीटकॉर्न। साधारण मक्का की तुलना में बेबीकार्न व स्वीटकॉर्न कम समय में तैयार हो जाती है और इससे किसान अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। साथ ही इसको विदेशों में निर्यात करके विदेशी मुद्रा भी कमा सकते हैं। कुलपति के अनुसार

बेबीकॉर्न की उपज, किस्मों की क्षमता व मौसम पर निर्भर करती है। बेबीकॉर्न की काश्त करने पर प्रति एकड़ किसान 6-7 क्विंटल बेबीकॉर्न व 80-100 क्विंटल प्रति एकड़ हरा-चारा लिया जा सकता है। इसलिए यह फसल विविधिकरण फसल चक्र में बदलाव व पशुपालन व्यवसाय में काफी लाभदायक हो सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि किसान बेबीकॉर्न की खेती दिसंबर व जनवरी माह को छोड़कर पूरे साल कर सकते हैं। इसकी बिजाई 20 जून से लेकर 15 सितम्बर, 25 अक्तुबर से 20 नवम्बर, 25 जनवरी से फरवरी के अंत तक की जा सकती है। इसलिए यह फसल विविधिकरण, फसल चक में बदलाव व पशुपालन व्यवसाय में काफी लाभदायक सिद्ध हो सकती है। यह फसल कम समय मे अच्छा मुनाफा देती है। उन्होंने सलाह दी कि किसान ग्रामीण क्षेत्र में इसके प्रसंस्करण उद्योग लगाकर अपनी आय सुनिश्चित कर सकते हैं और विदेशों में निर्यात करके विदेशी मुद्रा भी कमा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान समूह बना कर बेबीकार्न व स्वीटकॉर्न मक्का आधिरत उद्योग स्थापित करके किसान न केवल खुद को बल्कि दूसरों को भी रोजगार देने का काम कर सकते हैं। इन उत्पादों को न केवल देश में बेचकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है बल्कि विदेशों में निर्यात कर विदेशी मुद्रा भी अर्जित की जा सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**05.08.2020**	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्तनपान सप्ताह के तहत 6 अगस्त को होंगी कई प्रतियोगिताएं

August 5, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार : 5 अगस्त

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में किया जाएगा।

स्तनपान सप्ताह के अवसर पर 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सहयोग से आयोजित इन प्रतियोगिताओं को गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। इसके तहत पोस्टर मेकिंग, प्रश्नोत्तरी, रेसिपी बनाना और स्लोगन प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ शिशु के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना है, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिताओं के परिणाम अगले दिन निकाले जाएंगे। विभागाध्यक्षा ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**05.08.2020**	--	--

बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान पर होगा मंथन

August 5, 2020 • Rakesh • Haryana News

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 9 अगस्त को होगा ऑनलाइन वेबिनार

हिसार : 5 अगस्त

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 9 अगस्त को एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर मंथन होगा। यह जानकारी देते हुए वेबिनार के संयोजक एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि यह वेबिनार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा।

इस वेबिनार के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि से इसी विभाग से सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में सेवानिवृत्त प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर डॉ. आर.के. वालिया होंगे। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि इस वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि बीमारी की समस्याएं और उनके समाधान को लेकर कृषि वैज्ञानिक अपने विचार सांझा करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में समय-समय पर किसानों के हितों के लिए इस तरह के आयोजन करते रहते हैं ताकि किसानों को किसी भी फसल संबंधी कोई समस्या न आए और उनका आर्थिक विकास हो। इस वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अनिल कुमार व डॉ. जे.ए. पाटिल होंगे।